प्रेस नोट

"जलकृषि उद्यमिता : मत्स्य पालन के भविष्य पर चर्चा: भारत में स्टार्टअप और नीतिगत ढांचा" पर गोलमेज सम्मेलन-18 मार्च 2024

स्थान: भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, नवीन परिसर , पंच मार्ग, वर्सोवा

भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीआईसी) और भारत के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत एक गैर सरकारी संगठन सविष्कर इंडिया और अनंतम इकोसिस्टम्स ने "एक्काप्रेन्योरशिप:" विषय पर एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया।

भारत में मत्स्य पालन स्टार्टअप के भविष्य और नीतिगत ढांचे पर चर्चा" विषय पर दिनांक 18 मार्च 2024 को एक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें एक्काकल्चर और मत्स्य पालन में स्टार्टअप, नीति निर्माताओं, मछुआरे संगठनों, शिक्षाविदों, पीएचडी छात्रों और कुछ स्नातक छात्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 54 लोग उपस्थित थे। डॉ. रविशंकर, निदेशक एवं कुलपति आईसीएआर-सीआईएफई ने मत्स्य पालन और जलीय कृषि की क्षमता का दोहन करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

फार्मास्युटिकल, स्वास्थ्य देखभाल, जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र की कंपनी अनंतम इकोसिस्टम के संस्थापक और आईईईई एंटरप्रेन्योरशिप के लिए भारत क्षेत्र के प्रमुख श्री चिंतन ओझा ने बेहतर भविष्य के लिए सरकारी रणनीतियों और तकनीकी प्रगति के संदर्भ में भारतीय मत्स्य उद्योग का एक सिंहावलोकन प्रस्तुति दिया ।

श्री अतुल पतने, आईएएस, प्रभारी सचिव और मत्स्य आयुक्त, महाराष्ट्र ने मत्स्य पालन क्षेत्र में उभरते मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें टिकाऊ प्रथाओं, सरकारी ड्रोन निगरानी, एआई-सहायता प्राप्त कृत्रिम मछली प्रजनन, सजावटी मछली पालन और मूल्य वर्धित उत्पादों की आवश्यकता शामिल है। आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा विकसित मछली के चमड़े जैसे अपशिष्ट से धन के दृष्टिकोण को दर्शाता है। एक्का डॉक्टर सॉल्यूशंस के सीईओ और संस्थापक, श्री देबतनु बर्मन ने छात्र अनुसंधान के माध्यम से मत्स्य पालन में तकनीकी नवाचारों में अपने अनुभव के बारे में बात की। फिशफेड इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जयदीप पाटिल ने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत सामाजिक उद्यमिता, सामुदायिक विकास और मछली किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) पर चर्चा की। पश्चिमी क्षेत्र समिति-भारतीय उद्योग परिसंघ के ब्लू इकोनॉमी विशेषज्ञ श्री प्रफुल्ल तालेरा ने मछुआरा समुदाय की सांस्कृतिक उन्नति और संभावनाओं के बारे में गहरी जानकारी दी। "वैवाहिक स्थानिक योजना (एमएसपी)" डॉ. (कमांडर) अर्नब दास द्वारा प्रस्तुत किया गया जो निदेशक, समुद्री अनुसंधान केंद्र (एमआरसी),हैं। आपने डोमेन-विशिष्ट अनुसंधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। नीति विशेषज्ञ श्री आशीष चौहान ने मत्स्य पालन स्टार्टअप के क्षेत्र में उपलब्ध अनंत अवसरों पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को भारत की विशाल समुद्री सीमाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। आमंत्रित वार्ता के बाद एक खुला सत्र आयोजित किया गया जहां विशेषज्ञों और छात्रों सहित प्रतिभागियों ने अपने विचार और जानकारी साझा की । सविष्कर इंडिया के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. क्रांति सागर मोरे ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

सम्मेलन के आयोजन में सहयोग के लिए प्रतिभागियों और आईसीएआर-सीआईएफई को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया ।

Soham

AQUA DOCTOR
SOLUTIONS
Presented By - Dr. Debtanu Barman
www.efishtutor.com
ICAR-CIFE

ICAR-CIFE
Soham

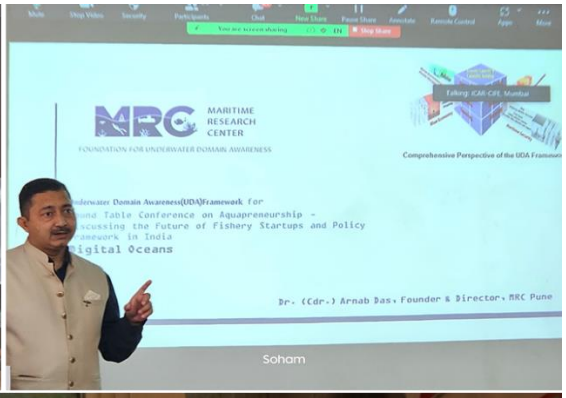
MRC
MARITIME
RESEARCH
CENTER
FOUNDATION FOR UNDERWATER DOMAIN AWARENESS
Talking: ICAR-CIFE, Mumbai
Comprehensive Perspective of the UDA Framework
Dr. (Cdr.) Arnab Das, Founder & Director, MRC Pune
Soham